

शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

# चर्चा पत्र



माह मार्च, 2023

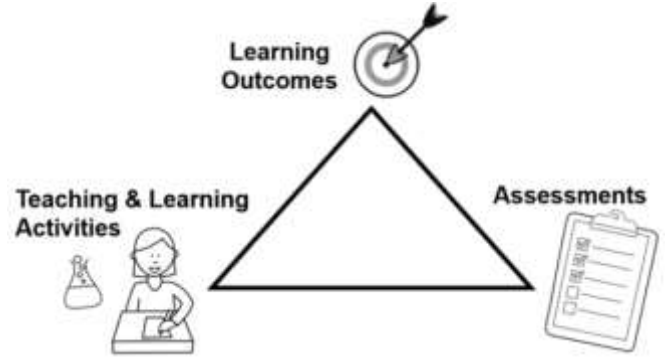
अष्ठम वर्ष अंक -10



राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

## एजेंडा एक :- सीखने के प्रतिफल की उपलब्धि में आकलन की भूमिका

कोरोना महामारी के कारण सीखने में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति हेतु हम वर्ष भर विद्यार्थियों के साथ उनके स्तर अनुरूप समूहों में निर्मित कक्षा में कार्य करते रहे हैं। शुरुआती स्तर और कक्षा स्तर के विद्यार्थियों के लिए एक ही पाठ को केंद्र में रखकर उनकी आवश्यकतानुसार शिक्षण योजनाओं को निर्मित किया गया। इसी क्रम में आकलन की प्रक्रिया को करते समय भी हमें स्तर का ध्यान रखना होगा। मार्च महीने में परीक्षा की पूर्व तैयारी के रूप में हम कक्षाओं में कार्य करेंगे और इस प्रक्रिया में अध्यायों के पुनः दोहराव के समय कक्षा में पाठों के लिए छोटे प्रश्न निर्मित करना सही होगा। इन प्रश्नों से माध्यम से यदि अभ्यास और आकलन किया जाये तो बच्चों को वार्षिक आकलन के दौरान मदद मिलेगी।



समेटिव परीक्षाएँ हमारी स्कूली शिक्षण प्रक्रियाओं का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। ये परीक्षाएँ एक निश्चित समय सीमा के अंतर्गत छात्रों के साथ विभिन्न अवधारणाओं और अध्यायों पर किए गए कार्य की समीक्षा भी करती हैं। छात्रों की समझ को जाँचने, आवश्यकताओं को चिह्नित करने, स्वयं शिक्षक के अध्यापन करवाए जाने के तरीकों में बदलाव लाने एवं आगामी रणनीतियाँ विकसित करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। ऐसे में

- समेटिव परीक्षाओं के उद्देश्य को समझना।
- इन परीक्षाओं में हम समझ को जाँचने पर आधारित सवाल कैसे पूछें?
- सवालों पर बच्चों द्वारा दिए गए जवाबों का विश्लेषण (response analysis) कैसे करें?
- कक्षा की आगे की रणनीतियों को कैसे विकसित करें?

इस पर चर्चा करना जरूरी है। विगत महीने हमारे स्कूलों में त्रैमासिक तथा छमाही परीक्षाएँ भी सम्पन्न हुईं। इस चर्चा को उन प्रश्न पत्रों से जोड़कर देखना भी हमारे लिए कुछ कारगर रणनीतियों को विकसित करने में मददगार होगा।

### 1. समेटिव परीक्षाओं का उद्देश्य:

- एक निश्चित समय सीमा (तीन महीने, छह महीने) के अंतर्गत कक्षा में विभिन्न अवधारणाओं / अध्यायों को छात्र कितना और क्या-क्या समझ पाए; इसे जाँचना।
- कक्षा में अधिकांश छात्रों को सीखने में आ रही सामान्य चुनौतियों का पता लगाना।
- कक्षा में अधिकांश छात्र कौन से सीखने के प्रतिफल को प्राप्त कर पाए एवं कौन से सीखने के प्रतिफल को प्राप्त नहीं किया जा सका? इसका विश्लेषण करना।
- शिक्षण प्रक्रियाओं की गुणवत्ता की जांच करना एवं उसमें यथासंभव परिवर्तन लाना।

**सभी विषयों में सीखने के प्रतिफल, कक्षा प्रक्रिया एवं आकलन में रचनात्मक जुड़ाव (constructive alignment) होना जरूरी है :**

बच्चों का बेहतर सीखना तभी सुनिश्चित हो सकता है जब शिक्षक को संबन्धित कक्षा के लर्निंग आउटकम्स और उसे प्राप्त करने के लिए कक्षा अध्यापन कैसे करना होगा? इनकी अच्छी समझ होनी चाहिए एवं लर्निंग आउटकम्स को जांचा कैसे जाए? यह भी पता होना चाहिए और इन तीनों (लर्निंग आउटकम्स, कक्षा अध्यापन और आकलन) के बीच में आपसी समन्वय की अनिवार्यता को भी समझना होगा। आइए इसे एक कक्षा के उदाहरण से समझते हैं:

गणित विषय में कक्षा 3 के लर्निंग आउटकम्स 'दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने में 3 अंकों की संख्याओं का जोड़ तथा घटाव करते हैं (दोबारा समूह बनाकर या बिना समूह बनाए जोड़ का मान 999 से अधिक न हो) इस आउटकम्स पर कार्य करने के लिए शिक्षक कक्षा में मानक विधि का प्रयोग करते हुए तीन अंकों के जोड़ और घटाव को सिखाते हैं, इस आउटकम्स को जाँचने के लिए भी शिक्षक पुनः 3 अंक के जोड़-घटाव के सवाल हल करने को देते हैं जैसे - 693 और 287 का योग ज्ञात कीजिये या 700 और 275 का अंतर ज्ञात कीजिये। उपरोक्त अपनाई गई शिक्षण प्रक्रिया तथा आकलन हेतु निर्मित प्रश्न को देखने पर इस उदाहरण में यह स्पष्ट हो रहा है कि इन छात्रों के साथ जोड़ एवं घटाने से संबन्धित दैनिक जीवन के किसी भी संदर्भ पर कक्षा में बातचीत या कार्य नहीं हुआ और न ही इबारती सवालों पर बात हुई है जिससे कि छात्र जोड़/घटाव की अवधारणा का इस्तेमाल कर दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान कर सकने की क्षमता को विकसित कर पाते। आकलन के सवाल अपेक्षित लर्निंग आउटकम्स के अनुरूप नहीं पूछे गए। इस स्थिति में लर्निंग आउटकम्स, अध्यापन और आकलन के बीच कोई समन्वय दिखाई नहीं देता। स्वाभाविक है इस स्थिति में जिससे स्पष्ट हो रहा है छात्र अपेक्षित लर्निंग आउटकम्स को प्राप्त नहीं कर पाएंगे। अब हमारे सामने सोचने के लिए दो बातें हो सकती हैं :



1. इस लर्निंग आउटकम पर कार्य करने का सार्थक तरीका क्या हो सकता था?

2. इन आउटकम का आकलन करने हेतु उपयुक्त सवाल क्या हो सकते थे?

**समझ को जाँचने में सवालों की भूमिका:**

छात्रों की समझ को जाँचने में सवालों की अहम भूमिका होती है, अध्यापन के क्रम में कभी हम सवालों का उपयोग छात्रों के पूर्वज्ञान को जाँचने के लिए करते हैं तो कभी पाठ में आगे बढ़ने के लिए, कभी-कभी छात्रों की रुचि जागृत करने के और समझ का आकलन करने के उद्देश्य से भी हम सवाल करते हैं। वर्तमान में कक्षा में आकलन के लिए पूछे जा रहे संदर्भ में हमारे अधिकांश सवाल, याद रखने की क्षमता को ही जाँचते हुए पाए जाते, समझ आधारित सवाल पूछने की संस्कृति बड़े स्तर पर हमारी कक्षाओं और आकलन व्यवस्था से नदारद है। जिसका परिणाम एनएएस में बच्चों के प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है जहाँ बच्चे समझ आधारित सवालों को हल करने में बड़ी चुनौती महसूस करते हैं। कई बार बहुत से बच्चे हाइयर ऑर्डर थिंकिंग (अनुप्रयोग करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, रचना करना) के सवाल हल नहीं ही कर पाते। ऐसे में जरूरी है शिक्षक के लिए आवश्यक है कि समझ आधारित सवाल कैसे पूछे? इस पर विचार करें एवं समेटिव आकलन हेतु परीक्षाओं में समझ आधारित प्रश्नों का निर्माण करने की दक्षता हासिल करें।

**समझ आधारित सवाल कैसे पूछे:**

हम निम्न मानदंडों को ध्यान में रख कर समझ आधारित सवाल बनाने में दक्ष हो सकते हैं:

1. प्रश्न को सीखने के प्रतिफल/दक्षता (जिसका परीक्षण किया जा रहा है) के साथ संबंध निर्मित करके देखना अति आवश्यक है।
2. प्रश्न की भाषा सरल, स्पष्ट, कक्षा स्तर के अनुरूप और छात्रों को संदर्भ से जोड़ने में प्रासंगिक होनी चाहिए।
3. प्रश्न तथ्यात्मक और वैचारिक रूप से सही होना चाहिए।
4. प्रश्न सोच, रचना और विश्लेषण करने की क्षमता को प्रेरित करता हुआ होना चाहिए।
5. प्रश्न सीखने के दौरान छात्रों में बन रही वैकल्पिक धारणाओं की पहचान करने में मददगार होना चाहिए।
6. प्रश्न में दिये गए संकेत (क्लू) स्पष्ट, प्रासंगिक होने चाहिए और प्रश्न का उत्तर देने में मददगार सुविधाजनक होने चाहिए।

कुछ सवाल के उदाहरण जो याद रखने की क्षमता को जाँचते हैं।	इन्हें समझ आधारित सवालों में कैसे बदला जा सकता है !
क्या 23 एक अभाज्य संख्या है?	23 एक भाज्य संख्या है या अभाज्य संख्या ? और क्यों ?
700 में से 275 घटाइए ।	एक टंकी में 700 लीटर पानी आता है। कुछ पानी का उपयोग कर लिया गया। अब इसमें 275 लीटर पानी रह गया। कितने लीटर पानी का उपयोग हुआ?
693 में 287 को जोड़िए ।	एक पुस्तक की कीमत 693 रुपये है और एक बैग 287 रुपये में आता है तो मुझे एक बैग और एक पुस्तक खरीदने के लिए कितना खर्च करना होगा?
सजीवों के लक्षण का वर्णन करो?	पत्थर और बिल्ली में क्या समानता और असमानता है? बिल्ली ऐसा क्या-क्या कर सकती है जो पत्थर नहीं कर सकते? या निम्न में से सजीव और निर्जीव छोट कर लिखो : बिल्ली, बीज, नीम का पौधा, कागज, पत्थर, पेंसिल
दिये गए इकाई, दहाई व सैंकड़ा के अंकों से संख्या बनाइये 3 सैंकड़ा 2 दहाई 4 इकाई = .....	3 सौ रुपये के नोट 2 दस रुपये के नोट 4 एक रुपए का नोट को मिला कर ..... रुपये बनेंगे ।
स्लेट एक कायांतरित चट्टान है।	स्लेट एक कायांतरित चट्टान क्यों है?
100 सेमी भुजा वाले वर्ग का परिमाप बताओ। कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?	एक आदमी को वर्गाकार बगीचे का एक चक्कर लगाने में 400 मीटर चलना पड़ता है। बगीचे के एक किनारे की लंबाई कितनी है? कहानी का अंत बदलो? तुम होते तो क्या करते?

प्रश्न पत्र एवं उसके उत्तर पत्रक का विश्लेषण :

Response analysis एवं समेटिव परीक्षा के परिणाम का विश्लेषण:

छात्रों द्वारा दिए उत्तरों को बारीकी से देखें और समझने का प्रयास करें। छात्र को क्या-क्या आता है ? और कहाँ-कहाँ कठिनाई महसूस हो रही है? उदाहरण के लिए किसी बच्चे ने निम्न तरीके से जोड़ के सवालों को हल किया है-

$$\begin{array}{r}
 \begin{array}{|c|c|c|}
 \hline
 6 & 9 & 3 \\
 \hline
 2 & 8 & 7 \\
 \hline
 8 & 17 & 10 \\
 \hline
 \end{array} \\
 + \\
 \hline
 \end{array}$$

उत्तर को देख कर यह स्पष्ट हो रहा है, बच्चे को कुछ अंकों को पढ़ना और एक अंक को जोड़ना आता है।

बच्चे को स्थानीय मान की अवधारणा में कठिनाई महसूस हो रही है, साथ ही 693, 287 संख्याओं की मात्रात्मक समझ नहीं है इसलिए वह अनुमान भी लगा नहीं पा रहा/रही है कि छह सौ और दो सौ को जोड़ने पर उत्तर 8 सौ के करीब आएगा न कि 81 हजार।

एक-एक उत्तर के विश्लेषण के बाद हम निम्न तालिका की मदद से पूरी कक्षा की स्थिति को समझ सकते हैं :

क्र	बच्चे का नाम	प्रश्न क्रमांक/प्राप्तांक							योग
		1	2	3	4	5	6	7	
	प्रश्नवार प्राप्तांकों का योग								

तालिका के विश्लेषण के लिए निम्न प्रश्नों को कार्य में लाया जा सकता है:

1. किस प्रश्न को सभी छात्रों ने हल कर लिया है?
2. किस प्रश्न को कुछ ही बच्चों ने हल किया है?
3. किस प्रश्न को किसी ने भी हल नहीं किया?

उपरोक्त विश्लेषण से कक्षा में बच्चों को किस क्षेत्र में कठिनाई महसूस हो रही है इसका पता लगाया जा सकता है। सामान्य आवश्यकता वाले बच्चों के साथ एक ही समूह में उनकी कठिनाई को दूर करने के काम किए जा सकते हैं। कक्षा में बच्चों के स्तर अनुसार कुछ योजनाएँ बनाने और योजना के अनुसार काम करने पर वह धीरे धीरे अवधारणाओं को सीखते हुए आगे बढ़ते रहते हैं।

आकलन को और विस्तृत रूप से समझने के लिए भाषा की कक्षा के कुछ उदाहरण लिंक में दिये जा रहे हैं। जिसकी मदद से कक्षा में विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों की प्रगति को आप जान पाएंगे। अकादमिक वर्ष की शुरुआत में वे किस स्तर पर थे और अब वर्ष के अंत में वे कहाँ पहुंच पाये हैं। जैसे -

कौशल	शुरुआती स्तर सीखने के प्रतिफल	कक्षा स्तर सीखने के प्रतिफल	नमूना प्रश्न
मौखिक भाषा विकास	सुनी हुई सामग्री ( कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं प्रश्न पूछते हैं।	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी मौखिक भाषा गढ़ते हैं।	<ul style="list-style-type: none"> <li>- कहानी किसे याद है?</li> <li>- कहानी में सबसे पहले क्या होता है? कहानी के क्रम के सवाल करना।</li> <li>- अब इस कहानी को कक्षा में कौन सुनाना चाहता है ?</li> </ul>

दिये गए नमूने की तरह कुछ और आकलन प्रपत्र विस्तार से लिंक में दिये गए हैं।

नमूना प्रति एक

•• [कक्षा - 7 चर्चा पत्र](#)

नमूना प्रति दो

•• [कक्षा - 5 सैंपल पेपर](#)

## आगामी रणनीतियाँ तय कैसे करें ?

छात्रों को हो रही कठिनाई के कारणों का पता लगाएँ एवं उसके निवारण के लिए आवश्यक गतिविधियों को तय करें और अपनाएं।  
उदाहरण के लिए :

क्र.	विषय	कठिनाई	निवारण
1	हिन्दी	पढ़ कर कहानी का अर्थ नहीं समझ पाते, कहानी में पूछे जाने वाले सवालों के उत्तर नहीं दे पाते।	कहानी पढ़ाते समय रुक-रुक कर कुछ प्रश्नों पर बातचीत करें, जिससे बच्चों को कहानी के क्रम को समझने में मदद मिले।
2	गणित	संख्या का विस्तारित रूप और मानक रूप को समझाने के लिए	पहले ठोस वस्तुओं से तिल्ली-बंडल के माध्यम से संख्याओं के विस्तारित रूप की अवधारणा को समझाएँ जैसे- 324 में 3 सैकड़ा, 2 दहाई और 4 इकाई हैं। इसके बाद सैकड़े, दहाई और इकाई के एरो कार्ड से गतिविधियाँ करवाएँ। उनकी समझ को पुरखा करने के लिए नकली मुद्रा की सहायता लें और सौ रुपये के नोट, दस रुपए के नोट और एक रुपये के नोट के माध्यम से गतिविधि करवाएँ। गतिविधि करवाने के बाद इसी तरह के सवाल हल करने को दें।

## एजेंडा दो:- विश्व मातृभाषा दिवस पर एम एल ई पर अधिकारियों हेतु एक कोर्स

बच्चों को उनकी मातृभाषा पर शिक्षा देने की वकालत विगत कई दशकों से की जा रही है। हमारे राज्य में भी इस दिशा में काम जारी है। बच्चों को जब हम उनकी भाषा में सीखने के अवसर देते हैं और माहौल बनाते हैं तो कई बार अज्ञानतावश कुछ अधिकारी ऐसे शिक्षकों को डांट-फटकार लगा देते हैं। वे बच्चों को शुरू से ही हिन्दी में पढ़ाने की हिदायत देते हैं। इसमें उनका उतना दोष नहीं है क्योंकि उन्हें एक आम आदमी की तरह यह लगता है कि जब आगे हिन्दी में ही पढ़ना है तो शुरू से ही क्यों नहीं? पर उन्हें शायद यह कोई बताने वाला नहीं होगा कि बहुत से बच्चे शाला त्यागी या पीछे छूट जाते हैं क्योंकि उनकी स्कूल की और घर की भाषा अलग अलग होने से स्कूल में सिखाई जा रही बातें उनके समझ में नहीं आती। ऐसे में ऐसे अधिकारियों को बच्चों को उनकी मातृभाषा में सीखने के अवसर की वकालत करने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से यह कोर्स लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से तैयार किया गया है।

इस कोर्स को करने के बाद अधिकारी बहुभाषा शिक्षा को समझ पाएँगे और अपने क्षेत्र में इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आवश्यक कार्यों को क्रियान्वित कर पाएँगे। यह कोर्स कुल छह आनलाइन इकाइयों से मिलकर बनाया गया है। इस कोर्स को सफलतापूर्वक करने हेतु लगभग 8-10 घंटे का समय देना होगा। इस कोर्स को आपके जिले के DEO/DIET/DMC/BEO/ABEO/BRCC कर सकेंगे। सीटें सीमित संख्या में हैं और इस कोर्स को करने हेतु छह सदस्यों के मध्य एक मेंटर होगा जो आपको कोर्स को सफलतापूर्वक करवाने में आवश्यक सहयोग प्रदान कर सकेगा।

इस कोर्स में उपलब्ध छह इकाइयों में इकाई एक- शिक्षा में बच्चों की भाषा का महत्व, इकाई दो- संवैधानिक और कानूनी प्रावधान, इकाई तीन- बहुभाषी शिक्षा क्या है, इकाई चार- कक्षा में बहुभाषी शिक्षा, इकाई पांच- शिक्षा अधिकारियों की भूमिका-I एवं इकाई छ:- शिक्षा अधिकारियों की भूमिका-II का अध्ययन करना होगा। इस कोर्स को पूरा कर विचित्र में शामिल होकर 70% अंक या उससे अधिक अंक पाने पर आपको सर्टिफिकेट प्रदाय किया जाएगा।

**तो फिर देर किस बात की ? जल्दी से जल्दी इस कोर्स में अपने उच्च अधिकारियों से पंजीयन करवाएं!**

## एजेंडा तीन: सुधर पढवईय्या: डाईट के माध्यम से विभिन्न कार्य

सुधर पढवईय्या कार्यक्रम को गति देने के उद्देश्य से सभी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं को इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गयी है. कार्यक्रम की जानकारी बहुत से हितग्राहियों को नहीं है. बहुत से शिक्षकों ने गलती से थर्ड पार्टी आकलन के लिए आमंत्रण हेतु बटन दबा दिया है. इस कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं निरीक्षण प्रक्रिया में गति लाने एवं अन्य निरीक्षणकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु डाईट को जिम्मेदारी देते हुए निम्नलिखित सूचकांकों को ध्यान में रखकर आगे कार्य करने हेतु दिशानिर्देश जारी किये गए हैं-

#	सूचकांक	विवरण
1	डाईट के विद्यार्थियों को उनकी सुविधा से एक एक स्कूल आबंटित कर उन स्कूलों में सुधर पढवईय्या कार्यक्रम को लागू करने हेतु तैयार करवाना	जिले के डाईट में जितने विद्यार्थी हैं उन्हें उनकी सुविधा के एक एक स्कूल को आबंटित कर उन्हें पहले कार्यक्रम की समझ विकसित कर उनको प्रदत्त स्कूल में कार्यक्रम लागू करवाना/ ट्रेकिंग करना <b>विद्यार्थियों की संख्या= कुल आबंटित स्कूल</b>
2	जिले के एलिमेंटरी एवं सेकन्डरी टेलीग्राम ग्रुप में शत-प्रतिशत सक्रिय उपस्थिति	इसमें जिला प्रभारियों को स्वयं जुड़कर अपने जिले के सभी शिक्षकों को ग्रुप में जुड़ने ग्रुप में अकादमिक चर्चाएँ एवं शिक्षकों के क्षमता विकास संबंधी जानकारी देते रहना होगा <b>शिक्षकों की संख्या=टेलीग्राम में कुल पंजीयन</b>
3	जिले में समस्त एलिमेंटरी स्कूलों द्वारा सुधर पोर्टल में चुनौती लेने हेतु पंजीयन	विकासखंड प्रभारियों को अपने अपने विकासखंड के समस्त शालाओं को सुधर पोर्टल में पंजीयन करवाना होगा, अद्यतन स्थिति पोर्टल से देखी जा सकती है <b>विकासखंड में कुल प्रारंभिक स्कूल=पोर्टल में पंजीयन किये स्कूल</b>
4	प्रत्येक विकासखंड से डाईट द्वारा टीम के साथ मिलकर पांच-पांच शालाओं का थर्ड पार्टी आकलन कर पोर्टल में प्रविष्टि	चार हजार से अधिक स्कूलों ने पोर्टल में थर्ड पार्टी आकलन के लिए आवेदन दिया है. विकासखंड प्रभारी पांच-पांच स्कूलों को थर्ड पार्टी आकलन के लिए तैयार कर उन्हें स्व-आकलन फिर पियर आकलन एवं अंत में स्वयं टीम के साथ थर्ड पार्टी आकलन कर उनकी स्थिति SCERT द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर पोर्टल में प्रविष्टि कर अन्य शालाओं को भी प्रोत्साहित करेंगे <b>कुल 150 विकासखंड= कुल 750 स्कूलों का निरीक्षण</b>
5	अन्य शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के जिला प्रभारियों द्वारा उनको प्रदत्त जिले में कम से कम एक शाला का थर्ड पार्टी आकलन	SCERT, IASE एवं CTE को अपने प्रभार के जिले के किसी एक स्कूल में चयनित शाला का संयुक्त निरीक्षण कर पोर्टल में प्रविष्टि करना है <b>28 IASE/CTE जिला प्रभारी= 28 स्कूलों का निरीक्षण</b> <b>28 SCERT जिला प्रभारी= 28 स्कूलों का निरीक्षण - कुल 56</b>
6	शाला संकुल प्राचार्यों का उन्मुखीकरण करते हुए उनके माध्यम से प्रत्येक संकुल में इस कार्यक्रम के प्रति जागरूकता एवं नियमित मासिक बैठकों का आयोजन कर सभी शिक्षकों द्वारा चर्चा पत्र डाउनलोड कर अध्ययन कर लागू करना	शाला संकुल प्राचार्यों का उन्मुखीकरण करते हुए उनके माध्यम से शालाओं के अकादमिक कसावट, डाईट-शाला संकुल समन्वय के माध्यम से नियमित मासिक बैठकों का आयोजन एवं चर्चा पत्र के आधार पर अकादमिक चर्चाएँ एवं शाला स्तर पर सुधार <b>5540 शाला संकुलों में नियमित बैठकें एवं प्रति माह 80 हजार चर्चा पत्र डाउनलोड का लक्ष्य मिलकर पूरा करना</b>

डाईट के माध्यम से इस योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं शालाओं के निरीक्षण के कार्य को यथाशीघ्र आप भी अपने स्तर पर स्कूलों को तैयार कर थर्ड पार्टी आकलन के लिए सामने आकर चुनौती दें ताकि बच्चों के सीखने के स्तर में आशातीत वृद्धि की जा सके.



## एजेंडा चार: संकुल स्तर पर मॉडर-मॉटी के माध्यम से सुधार कार्य

इस वर्ष सभी संकुलों में भाषा एवं गणित में एक एक मॉडर तैयार किए गए हैं। प्रत्येक मॉडर को अपने संकुल के सभी प्राथमिक शालाओं चाहे वे शासकीय हो या निजी, सभी शालाओं के शिक्षकों के साथ मिलकर अपने संकुल के सभी बच्चों, चाहे वे स्कूल जाते हों या न जाते हों, उन्हें कक्षा तीन तक के सभी लर्निंग आउटकम अच्छे से सिखा देने चाहिए। सन 2026-27 तक हमें यह लक्ष्य अपने प्रदेश के सभी बच्चों में हासिल करवा लेना है।

मॉडर और मॉटी को मिलकर अपने संकुल के लिए योजना बनाते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना होगा-

1. बच्चों को कैसे सीखने के अवसर प्रदान किए जाएं जिससे वे भाषा एवं गणित में निपुण हो सके
2. बच्चों के सीखने के समय को (time on task) को कैसे बढ़ाया जाए कि समय पर सीखा जा सके
3. माह अप्रैल में कैसे परीक्षा एवं मूल्यांकन में से समय निकालकर बच्चों को सीखने हेतु अवसर दिया जाए
4. माह मई एवं जून में कैसे समुदाय के सहयोग से ग्रीष्मकालीन शिविर के माध्यम से सीखने के अवसर दिए जाएं
5. बच्चों के लिए समुदाय के सहयोग से स्थानीय सामग्री तैयार कर कैसे पढ़ने के लिए दिया जाए
6. आंगनबाड़ी में जाने वाले बच्चों को कैसे शुरुआती भाषा एवं गणित में काम के अवसर दिए जाएं
7. बच्चों को रीडिंग स्पीड एवं मौखिक गणित में दक्षता हासिल करने की दिशा में कैसे काम करें
8. मुस्कान पुस्तकालय का नियमित उपयोग कैसे किया जाए कि बच्चे पढ़ने में रुचि लेने लगे
9. शिक्षकों को कैसे एक दूसरे से सीखने के लिए अवसर उपलब्ध करवाया जाए
10. अपने संकुल को कैसे FLN में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाला संकुल बनाया जाए

राज्य से किसी प्रकार के निर्देशों का इन्तजार न करते हुए सभी संकुलों से अनुरोध है कि मॉडर और मॉटी मिलकर अपने संकुल में सक्रिय होकर FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करें।

## एजेंडा पांच: हमारे नायक की आगामी श्रंखला में कार्य कर अवसर पाएं

राज्य में कोरोना लाकडाउन के समय से शिक्षकों को प्रोत्साहित करने एवं उनके द्वारा किए जा रहे बेहतर कार्यों को सामने लाने की दृष्टि से "हमारे नायक" की श्रंखला प्रारंभ की गयी है। इसकी आगामी कड़ी में हम ऐसे शिक्षकों की कहानी उन्हीं की जुबानी सुनाना चाहते हैं जिन्होंने "सुधर पढ़वैय्या" के अंतर्गत चुनौती स्वीकार कर अपने स्कूल को इसके लायक बनाने की दिशा में मिलकर बेहतर प्रयास प्रारंभ किया है। इस कड़ी में स्कूल के समस्त शिक्षक अपने स्कूल में इस योजना के अंतर्गत की गयी तैयारियों के बारे में एवं बच्चों को अपेक्षित दक्षता में सुधार के लिए किये जा रहे कार्यों का विवरण स्कूल में एक टीम के रूप में देंगे। ये वो स्कूल होंगे जिन्होंने पूरी योजना एवं तैयारी के साथ अपने स्कूल को "सुधर पढ़वैय्या" योजना के अंतर्गत थर्ड पार्टी के लिए तैयार कर लिया है। स्कूल अपनी तैयारियों का विवरण संबंधी अधिकतम पांच मिनट का वीडियो इस टेलीग्राम ग्रुप में जुड़कर भेजेंगे। <https://t.me/+VVEVq8S5PdpkJOR->

आप स्वयं या अपने आसपास जो स्कूल बच्चों के सीखने के मामले में बहुत अच्छी मेहनत कर सभी बच्चों के साथ काम कर उनके उपलब्धि को सतत रूप से ऊपर उठाने की दिशा में काम कर रहे हैं, उन्हें हमारे नायक में अपना स्थान पाने हेतु वीडियो बनाकर भेजने को प्रेरित करें। ऐसे स्कूलों को इस कार्य में सामने लाने का प्रयास करें जिसमें एक टीम के रूप में प्रधान अध्यापक के कुशल नेतृत्व में बिना किसी प्रचार-प्रसार के काम कर रहे हों।

ऐसे स्कूलों को अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों के साथ मिलकर उनके यहाँ बच्चों की उपलब्धि एवं सक्रियता के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों को अच्छी स्थिति में लाने के लिए मिलकर किए गए संयुक्त प्रयासों की जानकारी देते हुए पांच मिनट से कम समय का अच्छी क्वालिटी का वीडियो बनाकर हमें दिए गए टेलीग्राम ग्रुप में उपलब्ध करवाएं।

योजना में बेहतर कार्य कर रहे शालाओं के वीडियो हम [cgsschool.in](https://www.cgsschool.in) में हमारे नायक में शामिल कर सकेंगे।

आप सभी से अनुरोध है कि इस श्रंखला में ऐसे शिक्षकों की पहचान करें जो बिना किसी तामझाम, दिखावे एवं प्रचार-प्रसार के अपने काम में मस्त रहते हैं, और हमेशा अपने विद्यार्थियों की उपलब्धि में सुधार लाने की दिशा में मेहनत करते हैं। ऐसे स्कूल जिन्होंने सुधर योजना में चुनौती ली है और उस स्कूल के सभी शिक्षक अपने प्रधान अध्यापक के साथ मिलकर प्रत्येक बच्चे की नियमित उपस्थिति से लेकर प्रत्येक दक्षता पर विशेष ध्यान देते हैं, उनका चयन करना है। इस स्कूल के शिक्षक, प्रधानाध्यापक, एस एम् सी एवं समुदाय पने स्कूल के नायक के रूप में इस बात को बताएंगे कि उन्होंने कैसे अपने स्कूल को सुधर स्कूल के रूप में विकसित किया।

## एजेंडा छह: बच्चों के लिए पोटकास्ट टीम का गठन

राज्य में भाषाई सर्वे के उपरान्त अगले चरण में माननीय मुख्यमंत्रीजी की मंशानुरूप स्थानीय भाषा में बच्चों को सीखने के अवसर प्रदान किए जाने हैं. इस दिशा में राज्य में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में हम अब बच्चों के लिए स्थानीय कहानियों पर आधारित पोटकास्ट बनाया जाना है. पोटकास्ट तैयार करने हेतु आप निम्नलिखित काम में सहयोग दें-

1. राज्य में हुई भाषाई सर्वे के आधार पर आपके जिले में उपयोग में लाई जाने वाले भाषाओं का चयन करें, पोटकास्ट के माध्यम से कहानियों को स्थानीय भाषा एवं उनका हिन्दी में अनुवाद आवश्यक रूप से करवाएं
2. इस भाषा को बोलने वाले समुदाय में से बड़े-बुजुर्गों को ढूंढकर उन्हें स्थानीय कहानियाँ सुनाने हेतु प्रेरित करना
3. जिले में पोटकास्ट बनाने हेतु शिक्षकों, गैर-शिक्षकों एवं समुदाय से इस कार्य में सहयोग देने के इच्छुक सदस्यों के माध्यम से तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम बनाना जिसमें पोटकास्ट, म्यूजिक एवं कथा वाचक टीम उपलब्ध हो
4. स्थानीय कहानियों का दस्तावेजीकरण कर उसमें संबंधित चित्र आदि भी स्थानीय कलाकारों के सहयोग से बनाते हुए पोटकास्ट में उपयोग में लाए जा रहे कहानियों को हिन्दी एवं स्थानीय भाषा में आलेख तैयार करना
5. राज्य में पोटकास्ट निर्माण के लिए एक ग्रुप में जुड़कर एक दूसरे को तकनीकी सहयोग एवं कहानियों का आदान-प्रदान कर अधिक से अधिक पोटकास्ट बनाने हेतु लक्ष्य निर्धारित करना
6. जिले में कार्यरत गैर-शासकीय संस्थाओं को भी इस कार्य में जोड़ते हुए उनसे आवश्यक सहयोग लिया जाना
7. पोटकास्ट के माध्यम से इन कहानियों को कक्षाओं में सुनाए जाने हेतु ट्रायल लेकर सुधार करना एवं समय समय पर जमीनी स्तर से फीडबैक लेना
8. जिले के विद्यान्ली के नोडल अधिकारी अपने जिले के प्राथमिक शालाओं से विद्यान्ली पोर्टल में अपने स्कूल के लिए स्पीकर एवं अन्य आवश्यक सामग्री की आवश्यकता को पोर्टल में अपलोड करवाना ताकि उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आवश्यक सहायता मिल सके
9. जिले में बेस्ट स्थानीय कहानियों, बेस्ट पोटकास्ट, पोटकास्ट का उपयोग कर बच्चों को सक्रिय रखने वाले बेस्ट स्कूल, बेस्ट कथावाचक जैसे सम्मान देने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं
10. जिले की पोटकास्ट टीम द्वारा इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक नवाचार कर बेस्ट पोटकास्ट तैयार कर राज्य में इसके अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा दें, प्रोत्साहित करें

उपरोक्तानुसार पोटकास्ट के लिए टीम का गठन कर उन्हें राज्य के ग्रुप में लिंक के माध्यम से जोड़ें ताकि राज्य में मिलकर कार्य प्रारंभ किया जा सके. <https://t.me/+0xv0-JAZuk9mYzdl>

## एजेंडा सात: बच्चों के साथ मार्च से जून तक कार्य

इस सत्र में चर्चा पत्र का यह अंतिम अंक होगा. इसके बाद परीक्षाओं एवं ग्रीष्मावकाश में आपका समय व्यतीत होगा. आपसे मुलाक़ात जून माह में ही हो सकेगी. तब तक हम इन मुद्दों पर ध्यान दे सकते हैं-

- कैसे बच्चों को माह मार्च में परीक्षाओं एवं मूल्यांकन कार्य के बीच भी सक्रिय रखा जा सके ?
- कैसे धीरे-धीरे ग्रीष्मावकाश में समुदाय के साथ मिलकर बच्चों का सीखना जारी रखा जा सके ?
- बच्चों को एक दूसरे से छोटे-छोटे समूह बनाकर आपस में सीखने के लिए कैसे व्यवस्थाएं की जाएं ?
- कैसे बच्चों को अवकाश के दौरान मुस्कान पुस्तकालय की पुस्तकों को पढ़ने हेतु दिया जाए ?
- कैसे ग्रीष्मावकाश में हम अपने क्षमता संवर्धन की दिशा में काम करें ताकि अगले सत्र में हम एक नए स्वरूप में दिखें ?
- कैसे बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएं, अगली कक्षा की उपयोग की गयी पुस्तकें आदि पहले से उपलब्ध करवा सकेंगे ?

आप सभी को होली एवं आगे ग्रीष्मावकाश के लिए अग्रिम शुभकामनाएं !





## एजेंडा आठ: मध्याह्न भोजन में मिलेट का उपयोग

### 1. कोदो मिलेट का पुलाव

कोदो को कोदरा या भगर भी कहा जाता है। यह थोड़ा कसैला होता है इसलिए सबसे पहले इसे अच्छे से 2 या 3 बार धो कर, पतिले में तेल डालकर, मीठा नीम पत्ती व जीरे से छोक लगाकर उसमें हरी सब्जियां डाल कर उसे थोड़ा भुने, पानी उसका तिगुना डालकर बिल्कुल चावल की तरह बनाए। आप चाहे तो इसमें नींबू का रस डाल सकते हैं। इसके दाने में 8.3 प्रतिशत प्रोटीन, 1.4 प्रतिशत वसा तथा 65.9 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाई जाती है। कोदो-कुटकी मधुमेह नियन्त्रण, यकृत (गुर्दो) और मूत्राशय के लिए लाभकारी है। कसैलापन हटाने के लिए आप कोदो को 2 से 3 मिनट कुनकुने पानी में भिगोकर रख सकते हैं

### 2. दलिया

बाजरा दलिया की सामग्री : बाजरा, मूंग दाल,चावल सब एक बराबर मात्रा में, प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ, टमाटर, टुकड़ों में कटा हुआ गाजर, मटर, पालक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर स्वादानुसार नमक

बाजरे, मूंग दाल और चावल को अच्छे से धो ले और थोड़ा सा नमक डालकर प्रेशर कुक कर लीजिये। फिर इसे कढ़ाई में निकाल लें और उबाल आने तक पकाएं। सभी सब्जियों को अलग से तड़का लगा के सभी मसाले नमक अच्छे से डालकर, आधे उबले दलिये में डाल के अच्छे से पका कर थोड़ा पानी डाल के हिलाए स्वादिष्ट और पौष्टिक दलिया तैयार है। अच्छे से पका के बच्चों को परोसे।

### 3. कोदो की खीर बनाने की विधि

सबसे पहले कोदो को धोकर पानी से छान के अलग कर लेते हैं अब उबलते हुए दूध में कोदो को डालकर लगभग 10 मिनट पकाएं। जब मिश्रण में उबाल आने लगे और थोड़ा गाढ़ा बनने लगे तो हम आवश्यकतानुसार शक्कर शहद और कुछ सूखे मेवे डालकर परोसे।

### 4. बाजरे की खिचड़ी

बाजरे के कनकी/मोठे रवे को तेल में भूनकर निकाल लें फिर उसे गर्म पानी में भीगा दें।

अब कड़ाही में थोड़ा तेल डालें। उसमें जीरा राई का तड़का दें फिर मीठा नीम, चने मिर्ची के टुकड़े भी डाल दें। फिर मौसमी सब्जियों को भी टुकड़ों में काटकर भून लें। जिसमें प्याज जरूर हो। सब्जियों के भून जाने पर भीगा हुआ रवा डाल दें। मात्रा देखकर पानी कम ज्यादा डालें। अगर थोड़ा पतला खिचड़ी जैसा बनाया जाए तो बहुत स्वादिष्ट लगता है।

### 5. बाजरा के आटे का हलवा

बाजरे का आटा - 1/2 कप (80 ग्राम)/चीनी - 1/2 कप (100 ग्राम)/घी - 1/3 कप (80 ग्राम)/काजू - 8-10/किशमिश - 20-25/नारियल - 1 टेबल स्पून (कटा हुआ)

पैन में घी डाल कर गरम कीजिये। घी के हल्का गरम होने पर बाजरे का आटा डाल दीजिए। घीमी और मध्यम आंच पर आटे को लगातार चलाते हुये, हल्का ब्राउन, कलर डार्क होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिये।

अब इसमें 1¼ कप पानी डाल दीजिए और चीनी डाल कर अच्छी तरह से मिला दीजिए और मध्यम आग पर पकने दीजिए और तब तक पकाएं जब तक कि हलवा गाढ़ा न हो जाए।

काजू को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लीजिए, इलायची छिलकर कूट कर पाउडर बना लीजिए।

हलवे के गाढ़ा होने पर इसमें काजू, किशमिश, कटा हुआ नारियल और इलायची का पाउडर डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिला दीजिए और 2 मिनट के लिए और पका लीजिए। बाजरे के आटे का स्वादिष्ट हलवा बनकर तैयार है, हलवा को प्याले में निकाल लीजिए।



## एजेंडा नौ: पोस्ट FLS अध्ययन -माइक्रो-इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट

प्रत्येक शाला को अनिवार्य रूप से एक माइक्रो-इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट लेकर उस पर सुधार कार्य करने के निर्देश सभी राज्यों को हिमाचल में आयोजित मुख्य सचिवों की बैठक में दिए गए हैं। इस बार हमें माह अप्रैल से लेकर जुलाई प्रथम सप्ताह तक एक प्रोजेक्ट लेकर सभी शालाओं में समुदाय के साथ मिलकर क्रियान्वित करना है। विगत वर्षों में हमने अंगना म शिक्षा एवं सौं दिन सौं कहानियाँ के नाम से दो माइक्रो-इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक आयोजित किया है। इस बार हमें समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल करते हुए ग्रीष्मावकाश के दौरान इस परियोजना के अधिकांश भाग को क्रियान्वित करना है। इस बार हम फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी 2022 के फोलो-अप हेतु माइक्रो-इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट अपने हाथ में लेकर प्रत्येक स्कूल में लागू करते हुए बच्चों में सुधार लायेंगे।

### माइक्रो-इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट का नाम: फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी का फोलो-अप करते हुए स्थिति में सुधार लाना

एन सी ई आर टी द्वारा इस सत्र में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी 2022 का आयोजन किया गया है। एफ एल एस अध्ययन में भाषा एवं गणित में निम्नलिखित दक्षताओं की मुख्य रूप से जांच की गयी है-

#	सबटास्क	सबटास्क का विवरण
1	मौखिक भाषा की समझ (Oral language comprehension)	पांच-छह चित्रों को देखकर उनमें से किसी एक चित्र के बारे में दो चार वाक्य बोलने पर उन्हें सुनकर सही चित्र की पहचान कर पाना
2	ध्वन्यात्मक जागरूकता (phonological awareness)	सुनाए जा रहे शब्दों में से शुरू की ध्वनि एवं अंत की ध्वनि को पहचान कर पाना
3	वर्णों को डिकोड कर पाना/ पढ़ पाना (decoding letters)	ग्रिड में दिए गए वर्णों को देखकर जोर से सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना
4	शब्दों को डिकोड कर पाना/ पढ़ पाना (decoding words)	दिए गए शब्दों को देखकर जोर से सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना
5	गैर-शब्दों को डिकोड कर पाना/ पढ़ पाना (decoding non-words)	दिए गए शब्दों को देखकर जोर से सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना
6	चित्रों को मिलाना (picture matching)	चार-पांच वाक्यों को पढ़कर ये वाक्य कौन से चित्र को वर्णित करते हैं, उस चित्र से उन वाक्यों का मिलान करना
7	मौखिक पठन प्रवाह एवं समझ (Oral Reading Fluency & Comprehension)	ग्रेड अनुरूप छोटी कहानियों को पढ़ पाना और उससे संबंधित प्रश्नों के जवाब देना
8	संख्या पहचान (Number Identification)	9999 तक की संख्याओं में से कुछ संख्याओं को ग्रिड में रखकर चुने गए संख्याओं को जोर से पढ़ पाना
9	संख्याओं में विभेद (Number Discrimination)	छोटे-बड़े संख्याओं की पहचान कर पाना
10	संख्याओं के साथ कार्य (Number Operation)- जोड़ एवं घटाव	जोड़ एवं घटाव के सवाल हल कर पाना
11	इबारती सवाल - जोड़ एवं घटाव	इबारती सवालों के माध्यम से जोड़-घटाव के सवाल हल करना
12	संख्याओं के साथ कार्य (Number Operation)- गुणा एवं भाग	दो से दस तक के पहाड़ा के आधार पर गुणा एवं भाग के सवाल हल कर पाना
13	मापन (measurement)	मानक अमानक रूप से लंबाई, आयतन एवं समय का अनुमान
14	भिन्न (Fraction)	पूर्ण, आधा, एक चौथाई, तीन चौथाई भिन्न की जानकारी दे पाना
15	पैटर्न (Pattern)	संख्या एवं आकार के आधार पर पैटर्न की पहचान कर पाना
16	डाटा संघारण (Data-handling)	सरल आंकड़ों को पढ़ पाना एवं उसके आधार पर उत्तर दे पाना

## एजेंडा दस: आकलन से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शिक्षण निर्देश (Assessment Informed Instruction)

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

### आकलन के उद्देश्य

#### 1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

#### 2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए संवाद सामान्य भूल को उजागर करते हैं।

#### 3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

#### 4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

**आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।**

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिन्हित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

### दैनिक शिक्षण गतिविधियों के दौरान आकलन प्रक्रिया

कक्षा में गतिविधियों के दौरान यह जानना आवश्यक है कि बच्चे गतिविधि के अधिगम उद्देश्य को प्राप्त कर पाए या नहीं। इसके लिए गतिविधि के बीच में या अंत में विषयवस्तु और कौशल के हिसाब से अलग-अलग तरीकों से आकलन/अवलोकन किए जाते हैं। इसे अनौपचारिक आकलन भी कहा जाता है। यहाँ नीचे इस अनौपचारिक आकलन के लिए भाषा कक्षा के संदर्भ में कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं, शिक्षक कक्षा के दौरान इन्हें अपनाकर अपनी शिक्षण-प्रक्रिया को समृद्ध और प्रभावी बना सकते हैं।

### मौखिक कार्य के दौरान

- कक्षा में मौखिक कहानी या किताब / बिगबुक से कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से सरल और सीधे प्रश्न पूछें, ताकि आप पता लगा पाएँ कि बच्चे कहानी को समझ रहे हैं या नहीं।
- बातचीत, चर्चा या खेल गतिविधि के दौरान हर 5-7 मिनट में एक यह देखें कि क्या सभी बच्चों ने बात की है या प्रतिभाग किया है? अगर नहीं तो सभी बच्चों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।



## डिकोडिंग के दौरान

- डिकोडिंग के दौरान किसी नए दिन की शुरुआत में पिछले दिन सिखाए गए विषयवस्तु के बारे में 5 बच्चों से प्रश्न पूछें। वर्ण/अक्षर और शब्द पहचान के लिए बोर्ड का सहारा ले सकते हैं। अगर ज्यादातर बच्चे नहीं बता पाते हैं तो पहले 3-5 मिनट तक पिछली विषयवस्तु को बच्चों के साथ दोहराएँ।
- वर्ण/अक्षर पहचान के दौरान अभ्यास पुस्तिका पर कार्य करने से पहले शिक्षक कुछ बच्चों से बोर्ड पर नए और पुराने वर्ण लिखने को कहें और बाकी को उसे पहचानने को कहें।
- शब्द और वाक्य के श्रुतलेख कार्य के दौरान बच्चों को जोड़े में एक-दूसरे का लेखन देखने को कहें। जब बच्चे पहले एक-दूसरे का लेखन देख लें, तब शिक्षक बोर्ड पर शब्द या वाक्य लिखें। फिर सभी बच्चों को उसे देखकर अपना कार्य जाँच करने को कहें।

## समूह निर्धारण: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे। उदाहरण के लिए एक भाषा कक्षा में दो समूह इस प्रकार हो सकते हैं-

### दो समूहों में कार्य

#### समूह-1: जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ कार्य

##### वर्ण स्तर का कार्य

- वर्णों/ अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

##### शब्द स्तर का कार्य

- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- लेखन अभ्यास के लिए गृहकार्य देना।

#### समूह - 2 जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ कार्य

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:

- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें पढ़ना
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना
- 'स्वतंत्र कार्य' पत्रक पर काम करना
- जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के समूह-2 के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें

#### आपके सोचने और करने के लिए

- आप कौन-कौन से विषयों को शिक्षण करते हैं? नीचे दिए गए बिंदुओं को ध्यान में रखकर बारे में भी अपना मत प्रकट करें-
- विषय-.....

कक्षा	दैनिक शिक्षण गतिविधियों के दौरान आकलन प्रक्रिया क्या होगी?	समूह निर्धारण: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य क्या देंगे?